मिशन CTET / STET 2023

HINDI

हिंदी भाषा के प्रमुख लेखक और उनकी कृतियाँ

(पिछली परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के आधार पर)

CTET / STET की सभी परीक्षाओं हेतु उपयोगी

हमारे **TOPIC EXPERT** के साथ

BY HINDI GURU

LIVE 6:00 PM

Q1.

'कनुप्रिया' के रचनाकार कौन हैं- (UP TET 2020)

(1) नागार्जुन → प्यासो पपराई आँखें, युगधारा, भस्मांकुर

(2) धर्मवीर भारती → अंधा युग, ठंडा लोहा, सात गीत वर्ष

(3) केदार नाथ सिंह → नींद के बादल, फूल नदी रंग बोलते हैं

(4) शमशेर बहादुर सिंह → अमन का राग, इतने पास अपने, कवियों का कवि

Q2.

लेखक और उसकी रचना का कौन-सा जोड़ा गलत है?

(UP TET 2018)

(1) अशोक के फूल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(2) रसज्ञ-रंजन – आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

(3) संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर

(4) स्कन्दगुप्त – लक्ष्मीनारायण मिश्र

Q3.

भारतेन्दु युग में निकलने वाली पत्रिका-युग्म है - (UP TET 2017)

(1) कविवचन सुधा – हिन्दी प्रदीप

(2) सरस्वती - माधुरी

(3) कल्पना - ज्ञानोदय

(4) नवनीत - कादम्बिनी

Q4.

इनमें से किस विद्वान ने आदिकाल को 'बीजक काल' कहा था? **(BIHAR TET 2016)**

(1) राम कुमार वर्मा

(2) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(3) राहुल सांकृत्यायन

(4) राम चन्द्र शुक्ल

(650/1000 — 1350)

हजारी प्रसाद द्विवेदी

चारण काल

→ बीजक काल

→ सिद्ध सामंत काल

→ वीरगाथा काल

0:30

Q5.

इनमें से कौन-सी रचना भारतेन्दु हरिश्चंद्र कृत नही हैं? (BIHAR TET 2019)

(1) वर्षा विनोद

(2) वेणु गीति

(3) लोकोक्ति शतक

(4) प्रेम सरोवर

प्रेम फुलवारी, विनय प्रेम पचासा

प्रताप नारायण मिश्र → भारतेन्दु युग

मन की लहर, दंगल खंड

Q6.

निम्नलिखित में से कौन-सा रासो 'आल्हाखण्ड' के नाम से प्रसिद्ध है?

(BIHAR TET 2019)

(1) पृथ्वीराज रासो

(2) खुमाण रासो

(3) परमाल रासो

(4) बीसलदेव रासो

Q7.

निम्नलिखित में से कौन-सी रचना 'मलिक मोहम्मद जायसी' की है?

(Exam Oriented)

(1) सत्यवती कथा

(2) चित्रावली

(3) अखरावट

(4) मृगावती

Q8.

'जयशंकर प्रसाद' की प्रथम छायावादी कृति कौन-सी है?

(Exam Oriented)

(1) उर्वशी

(2) झरना

(3) कामायनी

(4) लहर

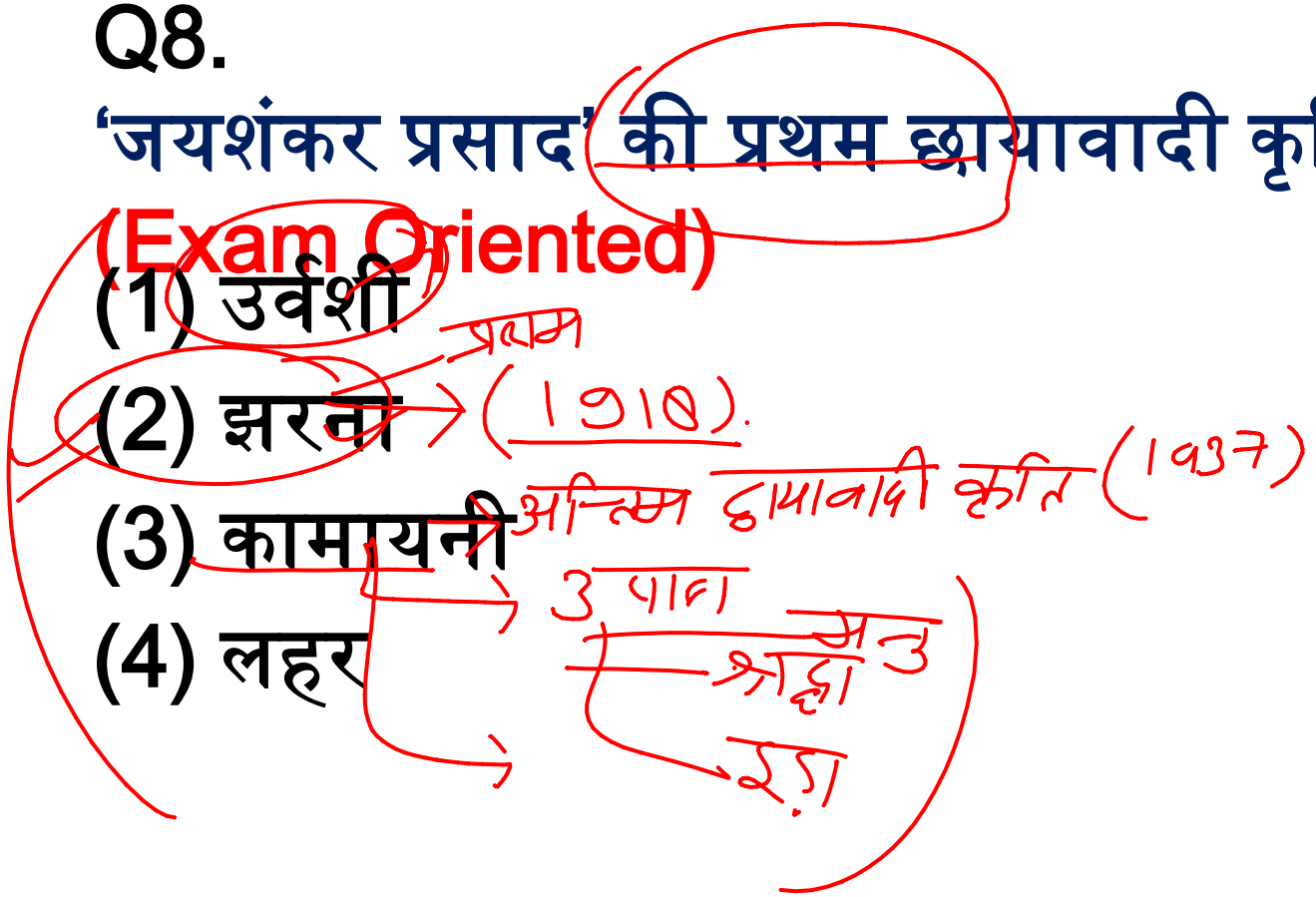

मिशन CTET / STET 2023

Q9.

'भारत गीत' किसकी रचना है? **(Exam Oriented)**

(1) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(2) अयोध्या सिंह उपाध्याय

(3) रामधारी सिंह दिनकर

(4) श्रीधर पाठक

मिशन CTET / STET 2023

Q10.

‘हिन्दी गजलो के राजकुमार’ के उपनाम से किसे जाना जाता है?

(Exam Oriented)

(1) राम विलास शर्मा

(2) दुष्यंत कुमार

(3) किशोरीदास वाजपेयी

(4) शरतचंद्र

0:30

0:30

निर्देश(11-12): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (UPTET 2020)

गांधीवाद में राजनीति और आध्यात्मिक तत्वों का समन्वय मिलता है। यही इस वाद की विशेषता है। आज संसार में जितने भी वाद प्रचलित हैं, वह प्राय: राजनीतिक क्षेत्र में सीमित हो चुके हैं। आत्मा से उनका सम्बन्ध-विच्छेद होकर केवल बाह्य संसार तक उनका प्रसार रह गया है। मन की निर्मलता और ईश्वर निष्ठा से आत्मा को शुद्ध करना गांधीवाद की प्रथम आवश्यकता है। ऐसा करने से नि:स्वार्थ बुद्धि का विकास होता है और मनुष्य सच्चे अर्थों में जन सेवा के लिए तत्पर हो जाता है। गांधीवाद में

Q11. उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर बताइए कि संसार के सारे वाद सीमित है--

(1) साम्प्रदायिकता तक

(2) आत्मा तक

(3) धर्म तक

(4) राजनीतिक क्षेत्र तक

0:30

निर्देश(11-12): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए (UPTET 2020)

गांधीवादी में राजनीति और आध्यात्मिक तत्वों का समन्वय मिलता है। यही इस वाद की विशेषता है। आज संसार में जितने भी वाद प्रचलित हैं, वह प्राय: राजनीतिक क्षेत्र में सीमित हो चुके हैं। आत्मा से उनका सम्बन्ध-विच्छेद होकर केवल बाह्य संसार तक उनका प्रसार रह गया है। मन की निर्मलता और ईश्वर निष्ठा से आत्मा को शुद्ध करना गांधीवाद की प्रथम आवश्यकता है। ऐसा करने से नि:स्वार्थ बुद्धि का विकास होता है और मनुष्य सच्चे अर्थों में जन सेवा के लिए तत्पर हो जाता है। गांधीवाद में

Q12. उपर्युक्त गद्यांश में गाधीवादी का आधार किसे बताया गया है?

(1) जनसेवा और अध्यात्म को

(2) ईश्वर निष्ठा और मन की निर्मलता को

(3) राजनीतिक अध्यात्म और साम्प्रदायिकता को

(4) राजनीतिक और आध्यात्मिक तत्व को

निर्देश(13-15): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (UP TET 2018)

स्पष्टता, आत्म-विश्वास, विषय की अच्छी पकड़ और प्रभावशाली भाषा में अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना ही सम्प्रेषण-कला है, जो निरन्तर अभ्यास से निखारी जा सकती है। एक दिन में कोई अच्छा वक्ता नहीं बन सकता तथा भाषा पर अनायास ही किसी की पकड़ नहीं हो पाती। इसी अभ्यास से स्वामी विवेकानन्द ने जिस सम्प्रेषण-कला का विकास किया था, उसने विश्वधर्म-सम्मेलन में लाखों अमेरिका-निवासियों

Q13. सम्प्रेषण-कला क्या नहीं है?

(1) प्रभावशाली भाषा

(2) अलंकरण

(3) आत्म-विश्वास

(4) विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना

निर्देश(13-14): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (UP TET 2018)

स्पष्टता, आत्म-विश्वास, विषय की अच्छी पकड़ और प्रभावशाली भाषा में अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना ही सम्प्रेषण-कला है, जो निरन्तर अभ्यास से निखारी जा सकती है। एक दिन में कोई अच्छा वक्ता नहीं बन सकता तथा भाषा पर अनायास ही किसी को पकड़ नहीं हो पाती। इसी अभ्यास से स्वामी विवेकानन्द ने जिस सम्प्रेषण-कला का विकास किया था, उसने विश्वधर्म-सम्मेलन में लाखों अमेरिका-निवासियों

Q14. सम्प्रेषण-कला का विकास किससे होता है?

(1) अनायास

(2) अभ्यास

(3) भाषण

(4) विषय की अच्छी पकड़

निर्देश(13-14): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (UP TET 2018)

स्पष्टता, आत्म-विश्वास, विषय की अच्छी पकड़ और प्रभावशाली भाषा में अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना ही सम्प्रेषण-कला है, जो निरन्तर अभ्यास से निखारी जा सकती है। एक दिन में कोई अच्छा वक्ता नहीं बन सकता तथा भाषा पर अनायास ही किसी को पकड़ नहीं हो पाती। इसी अभ्यास से स्वामी विवेकानन्द ने जिस सम्प्रेषण-कला का विकास किया था, उसने विश्वधर्म-सम्मेलन में लाखों अमेरिका-निवासियों

Q15. गद्यांश में दिया गया 'अनायास' शब्द का अर्थ है?

(1) सरलता से
(2) परिश्रम से
(3) बिना प्रयास के
(4) कठिनाई से

Thank You !